विद्यार्थी करेंगे आईआईटी ट्यूटोरियल

हरिभूमि न्यूज. भिलाई

आईआईटी मुंबई ने देश भर के स्कूल, कॉलेज व इंजीनियरिंग के विद्यार्थियों के लिए एक ऑनलाईन ट्यूटोरियल शुरू की है, जिसमें विद्यार्थियों को विभिन्न प्रकार के कंप्यूटर साफ्टवेयर्स की ट्रेनिंग दी जायेगी। केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा शुरू की गई स्पोकन ट्यूटोरियल प्रोजेक्ट नाम की इस परियोजना का उद्देश्य

- छात्र ले सकेंगे ऑनलाइन ट्यूटोरियल का लाभ

विद्यार्थियों को आज के दौर के काबिल बनाना है। पूरी तरह निःशुल्क इस प्रोजेक्ट के लिए जिले में बीआईटी दुर्ग को रिसोर्स सेंटर बनाया गया है। भिलाई महिला महाविद्यालय भी इस कार्यक्रम के साथ जुड़ा हुआ है। प्रोजेक्ट के विस्तार और प्रचार-प्रसार के लिए गत दिनों इसकी छत्तीसगढ़ प्रभारी जेसी वेलसामी ने बीआईटी के सभी विभागाध्यक्षों तथा फैकल्टी मेंबरों को इस प्रोजेक्ट से अवगत कराया गया तथा इसका लाभ लेने का आग्रह किया।

बीआईटी में प्रोजेक्ट के प्रमोशन के दौरान आईआईटी मुंबई की जेसी वेलसामी व अन्य।

इस ट्यूटोरियल में स्कूल, कॉलेज और इंजीनियरिंग लेवल के अलग-अलग कुल 24 सब्जेक्ट्स की ट्रेनिंग दी जायेगी। इनमें सी, सी++, जावा, के-टर्टल्स, जिम्प, पाइथॉन, पीएचपी, लाइनेक्स, सीलैब, लाईब्रेऑफिस जैसे विभिन्न विषय शामिल हैं। इनमें इंजीनियरिंग के विभिन्न ब्रांचों से संबंधित साफ्टवेयर भी हैं। बीआईटी दुर्ग ने पिछले शैक्षणिक सत्र में 480 स्टूडेंट्स को स्पोकन ट्यूटोरियल प्रोजेक्ट के माध्यम से विभिन्न सॉफ्टवेयर और प्रोग्रामिंग लैंग्वेज की ट्रेनिंग और सर्टिफिकेशन उपलब्ध कराया था।

इस प्रोजेक्ट के रिसोर्स सेंटर बीआईटी दुर्ग के कंप्यूटर विभाग के अध्यक्ष डीपी मिश्रा ने बताया कि पूरी तरह निःशुल्क इस प्रोजेक्ट में कोई भी स्कूल व कॉलेज भाग ले सकता है। शैक्षणिक संस्थान रजिस्ट्रेशन के लिए प्रोजेक्ट के वेबसाईट स्पोकन-ट्यूटोरियल डॉट आर्ग पर लॉग इन करेंगे और अपने एक फैकल्टी को नामांकित कर वेबसाईट पर अपना रजिस्ट्रेशन करायेंगे। रजिस्ट्रेशन के बाद स्कूल या कॉलेज साफ्टवेयर और ट्यूटोरियल को डाउनलोड कर अपने लैब में वर्कशॉप का आयोजन करायेंगे, जहां छात्र आईआईटी मुंबई के शिक्षकों द्वारा तैयार ट्यूटोरियल मेटेरियल को ऑडियो-विडियो माध्यम से सीखेंगे और ऑनलाईन प्रैक्टिस करेंगे। वे उसे नोट कर घर पर भी इसकी प्रैक्टिस कर सकेंगे। जब स्टूडेंट्स को लगेगा कि वे विषय को समझ गये हैं, तब स्कूल के रिक्वेस्ट पर आईआईटी मुंबई ऑनलाईन टेस्ट का आयोजन करेगा और सफल छात्रों को सर्टिफिकेट प्रदान करेगा।

इस परियोजना की खासियत यह है कि इसे छात्र अपनी पंसद की भाषा में सीख सकेंगे। यह ट्यूटोरियल हिंदी, अंग्रेजी, तमिल, तेलुगू, मराठी, बंगाली व अन्य भाषाओं में उपलब्ध है। प्रो. मिश्रा ने कहा कि जिस स्कूल या कॉलेज के पास अपना कंप्यूटर लैब नहीं है, उसे बीआईटी दुर्ग अपना लैब उपलब्ध करायेगा। उन्होंने कहा कि रजिस्ट्रेशन व अन्य जानकारी के लिए शैक्षणिक संस्थान बीआईटी दुर्ग के कम्प्यूटर साइंस व इंजीनियरिंग डिपार्टमेंट से संपर्क कर सकते हैं।

Online Term Insurance
reliancelife.com